

बक्की वि. (तद्.) 1. बेकार की अधिक बातें करने वाला 2. बकवास करने वाला, बकवादी 3. यादों में पलने वाला, एक धान।

बक्स/बक्सा पुं. (अं.) लोहे या लकड़ी का बना विशेष उपकरण जिसमें लोग अपने कपड़े पैसे या अन्य जरूरी सामान सुरक्षित रखते हैं। Box

बखतर पुं. (फा.) 1. लोहे के जाल का बना हुआ कवच 2. जिरिह।

बखता पुं. (देश.) भुना हुआ चना जिसका ऊपरी छिलका उतारा जा चुका हो।

बखना स.क्रि. (फा.) 1. किसी के अपराध को क्षमा कर देना 2. दान करना 3. किसी को दयापूर्वक छोड़ देना।

बखरी स्त्री. (देश.) 1. गाँव में निवासीय घर के अतिरिक्त वह घर या घेरा या स्थान जहाँ पशु बाँधे जाते हैं तथा घर के एक दो लोग (पुरुष) भी रहते हैं, वहाँ पर अन्य पड़ोसी लोग भी बैठकर गाँव घर की चर्चा करते हैं 2. ब्रज क्षेत्र में बहुत बड़ा घर जिसके अंदर कई छोटे छोटे घर तथा मुख्य द्वार एक ही होता है 3. भवन, मकान।

बखान पुं. (देश.-व्याख्यान) 1. किसी के गुणों का विस्तार से वर्णन 2. प्रशंसा 3. वर्णन।

बखानना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी बात को विस्तार से बताना 2. किसी की सराहना करना 3. गुण-दोष पूर्वक चर्चा करना **लाक्ष.** किसी के दोषों का वर्णन करना, कोसना।

बखार पुं. (देश.) 1. गाँवों में अनाज रखने के लिए बनाया हुआ कोठे के आकार जैसा सुरक्षित घेरा 2. **लाक्ष.** किसी वस्तु की प्रचुरता वाला स्थान, बखारी स्त्री. छोटा बखार।

बखिया पुं. (तत्.) 1. महीन और मजबूत सिलाई का एक प्रकार 2. दुहरे टाँकों की सिलाई **मुहा.** बखिया उधेड़ना- किसी के किसी गुप्त रहस्य को खोलना या भंडाफोड़ करना।

बखूबी क्रि.वि. (फा.) 1. अच्छी तरह से 2. पूरी तरह से उदा. उसने बखूबी अपना फर्ज निभाया।

बखेड़ा पुं. (देश.) 1. व्यर्थ का विवाद 2. व्यर्थ का विस्तार 3. उलझन 4. झंझट **मुहा.** बखेड़ा खड़ा करना- झगड़ा या झंझट उपस्थित करना।

बखत पुं. (फा.) 1. भाग्य, सौभाग्य 2. भाग।

बखतर पुं. (फा.) दे. बखतर।

बखश पुं. (फा.) 1. हिस्सा, भाग, टुकड़ा 2. कृषि या अन्य व्यवसाय में साझीदारों को मिलने वाला अपना-अपना भाग।

बखशवाना वि. (फा.) 1. किसी को कुछ पुरस्कार के रूप में दिलाना 2. बखशीश देने के लिए प्रेरित करना 3. दया पूर्वक कुछ दिलाना 4. किसी अपराध को माफ करने हेतु किसी को प्रेरित करना या माफ करवा देना।

बगई स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की घास जिसकी लम्बी और पतली पत्तियाँ पुड़िया आदि बाँधने तथा बान बनाने के काम आती हैं, कुरकुरमाछी 2. मादक घास।

बगटुट/बगछुट वि. (तद्.) 1. लगाम ढीली होने से तेज दौड़ने वाला (घोड़ा) 2. **क्रि.वि.** सरपट या बहुत वेग से जैसे- वह बगछुट/बगटुट दौड़ रहा हो।

बगदना अ.क्रि. (देश.) 1. लौट कर आना 2. किसी चीज का विकृत होकर नष्ट हो जाना, खराब हो जाना 3. भ्रम में पड़ना 4. सही रास्ते से भटक जाना 5. कर्तव्यच्युत हो जाना।

बगदाना स.क्रि. (देश.) 1. लौटाना 2. वापस बुलाना या करना 3. सही मार्ग से भटकना।

बगदहा वि. (देश.) 1. जल्दी क्रुद्ध होकर बिगड़ने वाला 2. लड़ने वाला 3. चौंकने या भड़कने वाला।

बगमेल वि. (तद्.) 1. दूसरे के घोड़े के साथ बाग मिलाकर चलना 2. दो घुड़सवारों का एक साथ चलना 3. घुड़सवारों की पंक्ति 4. युद्ध आदि में होने वाला साथ 5. आमने-सामने का एक साथ आक्रमण **क्रि.वि.** 6. किसी के साथ बाग मिलाए हुए, साथ-साथ।